कानपुर, मंगलवार, 03 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 58, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड यमुना एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, 6 की मौत...>Pg10

आधी रात जली होलिका उड़ा गुलाल..>Pg03

मूल्यः 2 ₹

मिडिल ईस्ट बारूद के ढेर पर

खाड़ी से लाल सागर तक जंग की लपट

ट्रंप का दावा, अरब देश तैयार, ईरान के ताजा मिसाइल-ड्रोन हमलों के बाद संयुक्त मोर्चा सख्त

स्वराज इंडिया न्यूज़ डेस्क

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में चल रहा टकराव अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। अमेरिका और इजरायल की सैन्य कार्रवाई के जवाब में ईरान ने बीते 48 घंटों में खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों, एयर डिफेंस सिस्टम और तेल प्रतिष्ठानों की ओर कई दौर के मिसाइल व ड्रोन दागे। कतर और बहरीन के पास अमेरिकी अड्डों के आसपास अलर्ट जारी किया गया, जबकि सऊदी अरब के पूर्वी तेल क्षेत्रों के ऊपर संदिग्ध ड्रोन गतिविधियों ने ऊर्जा बाजार को झटका दिया।

ताजा घटनाक्रम के बाद बहरीन, जॉर्डन, कुवैत, सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात ने अमेरिका के साथ समन्वय बढ़ाते हुए संयुक्त बयान जारी किया। बयान में ईरानी हमलों को ÷क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा÷ बताते हुए सामूहिक सुरक्षा उपायों की घोषणा की गई। इसी बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि अब कई अरब देश सीधे युद्ध में उतरने को तैयार हैं। ट्रंप ने कहा कि पहले ये देश परोक्ष समर्थन तक सीमित थे, लेकिन हालिया हमलों के बाद उनका रुख बदल गया है। उन्होंने संकेत दिया कि सैन्य अभियान अभी शुरुआती चरण में है और आगे ÷कठोर व व्यापक÷ कार्रवाई संभव है। क्षेत्र में हवाई हमलों, रॉकेट अलर्ट और एयरस्पेस बंदी के कारण नागरिक उड्डयन और तेल आपूर्ति

श्रृंखला पर दबाव बढ़ गया है। बीमा प्रीमियम और शिपिंग लागत में उछाल से वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ी है।

ईरान पर बढ़ता दबाव, चीन का संतुलित रुख

लगातार जवाबी हमलों से ईरान के मिसाइल भंडार पर दबाव की चर्चा तेज है। अंतरराष्ट्रीय समर्थन को लेकर भी तस्वीर साफ नहीं है। चीन ने प्रत्यक्ष सैन्य मदद से दूरी बनाए रखी है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी कार्रवाई की आलोचना की, लेकिन खुली सैन्य भागीदारी का संकेत नहीं दिया। तेल निर्भरता के बावजूद बीजिंग का रुख फिलहाल संतुलित और सावधान माना जा रहा है।

टाइमलाइनः कैसे बढ़ता गया टकराव

- पहला चरणः अमेरिका-इजरायल की समन्वित कार्रवाई, ईरान से जुड़े ठिकानों पर हमले।
- दूसरा चरणः ईरान की जवाबी मिसाइल और ड्रोन कार्रवाई, खाड़ी में अमेरिकी अड्डों को निशाना।
- तीसरा चरणः तेल प्रतिष्ठानों के पास ड्रोन गतिविधियां, क्षेत्रीय अलर्ट और एयर डिफेंस सक्रिय।
- चौथा चरणः खाड़ी देशों का संयुक्त बयान, सामूहिक सुरक्षा तंत्र पर जोर।

- ताजा घटनाक्रमः सीमित एयरस्पेस बंदी, समुद्री मार्गों पर निगरानी कड़ी, संभावित नए हमलों की चेतावनी

अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाएं

रूस

- अमेरिकी हमलों की आलोचना।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आपात बैठक की मांग
- प्रत्यक्ष सैन्य दखल से दूरी, लेकिन कूटनीतिक सक्रियता बढ़ी

चीनः तनाव कम करने की अपील, एकतरफा सैन्य कार्रवाई का विरोध

ब्रिटेनः अमेरिका के साथ रणनीतिक समन्वय, खाड़ी क्षेत्र में नौसैनिक निगरानी तेज

फ्रांसः तत्काल युद्धविराम और वार्ता की अपील, अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी

जर्मनीः संयम बरतने की अपील, कूटनीतिक समाधान को ही विकल्प बताया

तुर्कियेः क्षेत्रीय अस्थिरता पर चिंता जताई, मध्यस्थ की भूमिका निभाने के संकेत

भारतः युद्ध पर गहरी चिंता व्यक्त, खाड़ी में रह रहे भारतीयों के लिए एडवाइजरी

सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशः ईरानी हमलों की निंदा, सामूहिक सुरक्षा के लिए संयुक्त बयान

कतरः अपने क्षेत्र में सुरक्षा अलर्ट, क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने की अपील

पाकिस्तानः संयम बरतने की अपील, इस्लामी देशों के बीच संवाद पर जोर

- **ऊर्जा संकट की आहटः** खाड़ी में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव।
- **वैश्विक शिपिंग पर असरः** बीमा दरें और फ्रेट चार्ज बढ़े, सप्लाई चेन पर दबाव।
- **साइबर युद्ध का खतराः** तेल कंपनियों और एयर ट्रैफिक सिस्टम पर साइबर हमलों की आशंका।
- **आतंकी समूहों की सक्रियताः** प्रॉक्सी संगठनों के जरिए संघर्ष फैलने का जोखिम।
- **कूटनीतिक प्रयासः** संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय देशों की बैक-चैनल वार्ता की कोशिशें।

जंग में आसमान से समंदर तक कौन-कौन से हथियार

बैलिस्टिक मिसाइलें

- लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें
- सैन्य ठिकानों, एयरबेस और रणनीतिक ढांचों को निशाना
- हाई-स्पीड और ऊंची उड़ान क्षमता के कारण रोकना मुश्किल

क्रूज मिसाइलें

- जमीन के करीब उड़ान भरते हुए सटीक लक्ष्य भेदने में सक्षम
- रडार से बच निकलने की तकनीक
- तेल प्रतिष्ठान और कमांड सेंटर संभावित लक्ष्य।

ड्रोन (यूएवी) और लूटेरिंग यूनिशन

- निगरानी और हमले दोनों के लिए इस्तेमाल
- कम लागत, ज्यादा प्रभाव–झुंड स्वार्म में हमले की रणनीति
- आत्मघाती ड्रोन से सटीक स्ट्राइक

फाइटर जेट और स्टील्थ एयरक्राफ्ट

- एयरस्ट्राइक और एयर सुपीरियरिटी मिशन
- स्टील्थ तकनीक से रडार में कम पकड़
- प्रिसिजन-गाइडेड बमों का इस्तेमाल

एयर डिफेंस सिस्टम

- मिसाइल रोधी प्रणाली, जैसे बहुस्तरीय रक्षा कवच
- बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों को इंटरसेप्ट करने की क्षमता
- खाड़ी देशों में हाई-अलर्ट पर सक्रिय।

नौसैनिक ताकत

- युद्धपोत, मिसाइल डेस्ट्रॉयर और पनडुब्बियां तैनात
- समुद्री मार्गों की सुरक्षा और दुश्मन के जहाजों पर नजर
- एंटी-शिप मिसाइलों का खतरा

साइबर वॉरफेयर

- ऊर्जा संयंत्र, एयर ट्रैफिक कंट्रोल और बैंकिंग नेटवर्क पर साइबर हमलों की आशंका
- कम लागत में बड़े नुकसान की रणनीति

प्रॉक्सी मिलिशिया और रॉकेट सिस्टम

- सहयोगी गुटों के जरिए सीमावर्ती हमले
- मल्टी-रॉकेट लॉन्च सिस्टम से ताबड़तोड़ फायरिंग

SNK
होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
SNK
SNK
PAN MASALA
CHEWING OF
PAN MASALA IS
INJURIOUS TO HEALTH
ZIPPER MAHAPACK
0% NICOTINE 0%TOBACCO
CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH. NOT FOR MINORS.

दादामियां में 140 साल पुरानी गंगा-जमुनी परंपरा बनी सौहार्द की मिसाल

आधी रात जली होलिका उड़ा गुलाल, झूमकर नाचे

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। फाल्गुन की मदमस्त रात और घड़ी की सुई जैसे ही शुभ मुहूर्त पर पहुंची, पूरा शहर उल्लास और आस्था की रोशनी में नहा उठा। सोमवार देर रात करीब 12:30 बजे कानपुर के अलग-अलग इलाकों में विधि-विधान से होलिका दहन किया गया। मुहूर्त का इंतजार कर रहे लोग परिवार सहित गन्ना, नई बालियां और जौ लेकर पहुंचे। होलिका की अग्नि में इन्हें भूनकर पूजा-अर्चना की गई और परिक्रमा कर सुख-समृद्धि की कामना की गई। दहन के बाद माहौल पूरी तरह रंगमय हो गया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। देर रात तक ÷होली है÷ के स्वर गलियों में गूंजते रहे।

होलिका दहन के बाद देर रात तक पूजन और परिक्रमा का सिलसिला चलता रहा। सैकड़ों लोग परिवार और बच्चों के साथ पहुंचे। गुजिया और पूरी का प्रसाद चढ़ाया गया। इसके बाद गन्ना हाथ में लेकर सामूहिक परिक्रमा का दृश्य देखते ही बनता था। पूरा

➪ शुभ मुहूर्त में होलिका दहन, परिवार संग परिक्रमा और गुलाल से गूंजा शहर

इलाका गुलाल की रंगत से सराबोर नजर आया। लोग गले मिलकर एक-दूसरे को बधाई देते रहे। शिवाला क्षेत्र में इस वर्ष बने दुर्लभ संयोग के चलते विशेष झांकियां सजाई गईं। होलिका दहन से पहले खाटू श्याम के भक्ति गीतों की प्रस्तुति ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु भजनों पर झूमते रहे। मुहूर्त होते ही मंत्रोच्चार के बीच अग्नि प्रज्ज्वलित की गई और परंपरा निभाई गई। नौबस्ता (कानपुर साउथ) में भी उत्साह देखते ही बना। सैकड़ों लोग एकत्र हुए। पूजन-अर्चन के बाद परिवार की खुशहाली की कामना की गई। दहन के बाद बच्चों और बड़ों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर बधाई दी। हवा में उड़ते गुलाल से पूरा इलाका रंगोत्सव में तब्दील हो गया।

दादामियां चौराहे पर 140 साल से कायम सौहार्द

दादामियां चौराहा पर होलिका दहन की परंपरा करीब 140 वर्षों से चली आ रही है। यहां हिंदू-मुस्लिम एक साथ होलिका दहन करते हैं। खास बात यह है कि आयोजन की जिम्मेदारी मुस्लिम समाज के लोग निभाते हैं। अंग्रेजों के जमाने से चली आ रही यह परंपरा आज भी गंगा-जमुनी तहजीब की जीवंत मिसाल बनी हुई है।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

होलिका दहन को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। प्रमुख चौराहों पर निगरानी बढ़ाई गई। देर रात तक लोग होली के गीतों पर नाचते-गाते रहे। चंद्रग्रहण के सूतक काल के चलते मंगलवार को रंग नहीं खेला गया, जबकि बुधवार को पूरे उत्साह के साथ रंगोत्सव मनाया जाएगा। आधी रात जली होलिका की लौ ने न सिर्फ बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया, बल्कि कानपुर को एक बार फिर रंग, उमंग और सौहार्द के सूत्र में पिरो दिया।

अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत पर कानपुर में उबाल

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत की खबर सामने आते ही कानपुर में मुस्लिम समुदाय के बीच गहरा शोक और आक्रोश देखने को मिला। शहर के विभिन्न हिस्सों में लोगों ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया और अमेरिका व इजराइल के खिलाफ नारेबाजी की। कई स्थानों पर कैंडल मार्च और मजलिस का आयोजन कर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

नवाबगंज स्थित बड़ी कर्बला, जूही की सफेद कॉलोनी और रजबी रोड समेत कई इलाकों में लोगों ने खामेनेई के चित्र और बैनर लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। शाम ढलते ही महिलाओं और बच्चियों की अगुवाई में कैंडल मार्च निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में परिवारों की भागीदारी रही। हाथों में मोमबत्तियां लिए लोग "इंसाफ" और "जुल्म के खिलाफ आवाज" जैसे नारों के साथ आगे बढ़ते दिखाई दिए। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर स्थानीय प्रशासन की टीम भी मुस्तैद रही, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

रजबी रोड स्थित हुसैनी फेडरेशन कार्यालय में आयोजित मजलिस में बड़ी

➪ कैंडल मार्च, मजलिस और विरोध प्रदर्शन; महिलाओं-बच्चियों की बड़ी भागीदारी से गूंजा शहर

संख्या में लोगों ने शिरकत की। यहां धार्मिक नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उनके जीवन और विचारों पर प्रकाश डाला। फेडरेशन के चेयरमैन हाजी कबीर जैदी ने कहा कि अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष ही उनकी सबसे बड़ी विरासत है। मौलाना अलमदार हुसैन ने अपने संबोधन में कहा कि खामेनेई ने कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और हमेशा मजबूती से खड़े रहे।

मजलिस के दौरान शोक प्रस्ताव पारित किया गया और दिवंगत नेता की आत्मा की शांति के लिए दुआ की गई। कई स्थानों पर युवाओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से भी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की और श्रद्धांजलि संदेश साझा किए। शहर में हुए इन कार्यक्रमों के चलते कुछ इलाकों में यातायात आंशिक रूप से प्रभावित रहा, हालांकि पुलिस प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित और शांतिपूर्ण बनाए रखा। अधिकारियों ने लोगों से संयम बनाए रखने और सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

नौबस्ता में बेकरी में भीषण आग दमकल ने आधे घंटे में पाया काबू

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के नौबस्ता स्थित हनुमंत विहार थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक बेकरी में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना सुबह करीब 7ः40 बजे मिनी कंट्रोल रूम को दी गई, जिसमें बताया गया कि धोबिन पुलिया के पास हमीरपुर रोड स्थित एसएसडी किंग बेकरी में आग धधक रही है।

सूचना मिलते ही फजलगंज फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। आग तेजी से फैल रही थी, लेकिन दमकल कर्मियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए करीब 30 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस दौरान किदवई नगर फायर स्टेशन से भी एक और गाड़ी मौके पर पहुंची, हालांकि तब तक आग काफी हद तक नियंत्रित की जा चुकी थी।

इस घटना में बेकरी को नुकसान जरूर हुआ है, लेकिन राहत की बात यह रही कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। शुरुआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। समय रहते

हनुमंत विहार क्षेत्र की एसएसडी किंग बेकरी में लगी आग, शॉर्ट सर्किट की आशंका

दमकल विभाग की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया और आसपास के इलाकों को भी सुरक्षित बचा लिया गया।

दिन-रात के बढ़ते तापमान ने दिखाया गर्मी का शुरुआती तेवर

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। मार्च की शुरुआत के साथ ही शहर में दिन और रात दोनों समय गर्मी का असर बढ़ने लगा है। सोमवार को जारी मौसम रिपोर्ट के अनुसार अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.6 डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 17.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.0 डिग्री ज्यादा है।

दिन के समय तेज धूप और साफ आसमान के कारण दोपहर में गर्मी स्पष्ट रूप से महसूस की जा रही है। वहीं रात के तापमान में भी बढ़ोतरी होने से ठंडक लगभग समाप्त हो गई है। सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान

➪ अधिकतम 30.4°C और न्यूनतम 17.7एष्ट दर्ज, पांच दिन तक राहत के आसार नहीं

यह संकेत दे रहा है कि रातें भी अब गर्म होती जा रही हैं।

मौसम आंकड़ों के अनुसार अधिकतम सापेक्ष आर्द्रता 59 प्रतिशत और न्यूनतम 26 प्रतिशत दर्ज की गई। औसत पवन गति 7.1 किलोमीटर प्रति घंटा रही और हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम रही। वर्षा शून्य (0.0 मिमी) दर्ज की गई, जिससे वातावरण पूरी तरह शुष्क बना हुआ है। पूर्वानुमान के मुताबिक, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने आगामी पांच दिनों तक आसमान साफ रहने और वर्षा न होने की संभावना जताई है। साफ मौसम के चलते दिन के तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है, जबकि रातें भी सामान्य से अधिक गर्म बनी रह सकती हैं।

लगातार बढ़ते दिन-रात के तापमान ने गर्मी के शुरुआती तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो मार्च के मध्य तक गर्मी और तेज हो सकती है। फिलहाल शहर में दिन की तपिश और रात की बढ़ती गरमाहट दोनों ही लोगों को महसूस होने लगी हैं।

न जमीन हड़पी, ना किसी की फूटी कौड़ी ली

सांसद मुकेश राजपूत बोले, 11 साल से सांसद हूं, कोई संपत्ति नहीं खरीदी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

फर्रुखाबाद। भारतीय जनता पार्टी के 11 साल से सांसद मुकेश राजपूत ने कहा कि लोगों ने तरह तरह के आरोप लगाए हैं जबकि 20 साल से मैंने व मेरी पत्नी ने कोई संपत्ति नहीं खरीदी है और ना ही आज तक किसी से फूटी कौड़ी तक ली है और न ही किसी की जमीन हड़पी है, बल्कि लोग मेरी जमीन पर कब्जा करने की फिराक में है। जो पहले की संपत्ति एक करोड़ की थी अब उसकी कीमत 10 करोड़ हो गई है, यह सभी के साथ हुआ है।

पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर तंज करते हुए कहा कि उन्हें बताना चाहिए कि उनकी कितनी आय बड़ी है। इटावा के दर्शन सिंह यादव ने गरीब मुलायम सिंह यादव को साइकिल भेंट की थी मुलायम सिंह साइकिल चलाते थे और दर्शन सिंह उनकी साइकिल पर पीछे बैठते थे। सासंद ने कहा की अब सभी पुल फोर लेन के बनेंगेविरोधियों द्वारा किए जा रहे भ्रामक प्रचार का जवाब देते हुए कहा आवास के निकट प्लाई ओवर नहीं बनने देना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि रेल मंत्री से मांग की है कि पहले देवरामपुर क्रॉसिंग वाला फ्लाई ओवर बनवाया जाए कायमगंज वाला बाद में बने, जिससे विरोधियों के मुंह पर लगाम लग सके। पांचाल घाट पर 5 करोड़ की लागत से काफी बड़ा कम्युनिटी सेंटर बनेगा जिससे गंगा स्नान करने वालों को काफी सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कहा कि होली पर पुलिस चेकिंग में किसी का उत्पीड़न ना बल्कि सुरक्षा के लिए तलाशी ली जाए,भाजपा सांसद ने देशवासियों को होली की ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए होली अच्छे ढंग से घर में ही मना कर एक दूसरे के गले मिलकर गले शिकवे दूर करें। उन्होंने कहा कि ध्यान रखना चाहिए कि होली की आग से कहीं बिजली की बंच केबिल न जल जाए, बिजली विभाग व एसडीएम को भी इस ओर ध्यान देना चाहिए। जनपद में गंगा, रामगंगा एवं काली नदी के तीन बड़े पुलों के अलावा तीन बड़ी पुलियों के निर्माण के लिए 900 करोड़ रूपयों की मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को बधाई दी।

होलिका दहन में अग्नि पार कर निकला युवक, हजारों लोगों ने 'बांके बिहारी' के जयकारे लगाए

5200 साल पुरानी मान्यता से जुड़ी परंपरा पहले भाई निभाते थे यह अनोखा रिवाज

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

मथुरा। मथुरा के फालैन गांव में होलिका दहन की रात एक बार फिर आस्था और साहस का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंगलवार तड़के करीब 4 बजे धधकती आग, 25 फीट ऊंची लपटें और लाठी लेकर जयकारे लगाते लोगों के बीच संजू पंडा नाम का युवक अचानक आग की ओर बढ़ा और कुछ ही पलों में जलती होलिका को पार कर गया।

सिर पर गमछा और गले में रुद्राक्ष की माला पहने संजू पंडा ने पहले अग्नि देवता को प्रणाम किया, फिर दौड़ते हुए लपटों के बीच से निकल गया। हैरानी की बात यह रही कि इस दौरान उसे किसी तरह की चोट या जलन नहीं हुई। यह नजारा देख वहां मौजूद करीब 50 हजार से ज्यादा लोग 'बांके बिहारी' के जयकारों से गूंज उठे।

बताया जाता है कि यह परंपरा करीब 5200 साल पुरानी है और हर साल फालैन गांव में होलिका दहन के मौके पर निभाई जाती है। मान्यता जुड़ी है भक्त प्रह्लाद और होलिका की कथा से, जिसमें होलिका ने प्रह्लाद को जलाने का प्रयास किया था, लेकिन वह स्वयं भस्म हो गई थी।

यह दूसरी बार है जब संजू पंडा ने इस परंपरा को निभाया है। इससे पहले उनके बड़े भाई मोनू पंडा वर्षों तक इस अनुष्ठान को करते रहे हैं। आस्था, विश्वास और साहस से जुड़ी यह परंपरा आज भी लोगों को अचंभित कर देती है और देश-विदेश से लोग इसे देखने यहां पहुंचते हैं।

काशी ने रचा इतिहास

एक घंटे में 2.51 लाख पौधे विश्व कीर्तिमान स्थापित

» गंगा पार स्थित डोमरी और सुजाबाद गांव में 350 एकड़ भूमि पर लगाए गए पौधे

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

वाराणसी। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काशी ने ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए एक घंटे में 2,51,446 पौधे रोपकर नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के गंगा पार स्थित डोमरी और सुजाबाद गांव में 350 एकड़ भूमि पर आयोजित इस वृहद पौधारोपण अभियान ने चीन के पूर्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। गणना की प्रक्रिया ड्रोन कैमरों, डिजिटल एप और स्वतंत्र पर्यवेक्षण के साथ संपन्न हुई। Guinness World Records के जज ऋषि नाथ ने कार्यक्रम स्थल पर महापौर अशोक कुमार तिवारी और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल को विश्व कीर्तिमान का प्रमाण पत्र सौंपा।

चीन का रिकॉर्ड टूटा

इससे पूर्व विश्व रिकॉर्ड चीन की हेनान प्रांतीय समिति और हेनान शिफांगे ग्रीनिंग इंजीनियरिंग कंपनी के नाम था, जिन्होंने 10 मार्च 2018 को 1,53,981 पौधे लगाकर कीर्तिमान बनाया था। काशी ने यह उपलब्धि एक घंटे की निर्धारित समयावधि में 60 सेक्टरों में संगठित रूप से पौधारोपण कर हासिल की।

मियावाकी पद्धति से विकसित होगा 'शहरी वन'

पौधारोपण मियावाकी पद्धति के तहत किया गया, जिसमें छायादार, फलदार, औषधीय और फूलों वाले पौधे लगाए गए। यह क्षेत्र आने वाले समय में घने 'शहरी वन' के रूप में विकसित होगा, जो काशी के लिए प्राकृतिक ऑक्सीजन बैंक साबित होगा।

जनभागीदारी बनी सफलता की कुंजी

अभियान में नगर निगम के लगभग 5000 कर्मचारियों सहित एनडीआरएफ, पुलिस, पीएसी, सेना, स्कूली विद्यार्थी, एनसीसी कैडेट, स्काउट-गाइड, सामाजिक व धार्मिक संगठनों तथा विभिन्न दलों के कार्यकर्ताओं सहित 15000 से अधिक लोगों ने सहभागिता की।

पौधों की तीन वर्षों तक देखरेख मध्य प्रदेश की राजे नर्सरी द्वारा की जाएगी।

नगर निगम के अधीक्षक डॉक्टर वीके सिंह ने बताया कि अनुमान है कि विकसित होने के बाद यह शहरी वन प्रतिवर्ष 1 करोड़ रुपये से अधिक की आय का स्रोत बनेगा। पर्यावरण संरक्षण, जनसहभागिता और प्रशासनिक समन्वय का यह अनूठा उदाहरण देश के अन्य शहरों के लिए प्रेरणा बनेगा।

काशी की यह हरित पहल न केवल पर्यावरणीय संतुलन की दिशा में बड़ा कदम है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि सामूहिक संकल्प से असंभव दिखने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

मांडवी धाम में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। पूरा बाजार विकास खंड अंतर्गत मांडवी धाम, मड़ना स्थित निज निवास पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अयोध्या महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव व जिला अध्यक्ष राधेश्याम त्यागी का प्रमुख संघ के जिला अध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह ने अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन को और सशक्त बनाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि नए नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों को छुएगा और क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएगा। समारोह के दौरान सभी ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में अनेक सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

भारतीय परीक्षा की घड़ी है मध्यपूर्व संघर्ष

भले ही, दुनिया में चौधराहट बनाये रखने और साम्राज्यवादी मंसूबों को पूरा करने के लिए अमेरिका ने इस्राइल के साथ मिलकर ईरान पर युद्ध थोपा हो, मगर इस युद्ध के दूरगामी घातक परिणाम पूरी दुनिया को झेलने होंगे। इस संघर्ष ने पूरे पश्चिमी एशिया को गहरे संकट में डाल दिया है। तबाही के कगार पर खड़े ईरान ने जिस तरह अपने पड़ोसी देशों के व्यापारिक व औद्योगिक संस्थानों पर ताबड़-तोड़ हमले किए हैं, उससे मध्यपूर्व में बड़ा आर्थिक संकट पैदा हो गया है। लाखों लोगों के रोजगार पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। खासकर लाखों भारतीय कामगारों के लिये बड़ा संकट पैदा हो गया है। ईरान की जवाबी कार्रवाई से पश्चिमी एशिया में बढ़ते संकट से, इस क्षेत्र में आर्थिक उथल-पुथल मची हुई है। दुनिया के प्रमुख वैश्विक जहाजरानी मार्गों पर मंडरा रहे खतरे के बीच ऊर्जा बाजार की स्थिति पर गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास हुए हमलों के कारण कच्चे तेल और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस यानी एलएनजी की ढुलाई पहले ही बाधित हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति के लगभग पांचवें हिस्से के लिये एक रणनीतिक मार्ग है।

लेकिन मौजूदा युद्ध से उपजे हालात में जहाज बीमा कंपनियों ने युद्ध-जोखिम कवरेज वापस ले लिया है। इसके चलते पेट्रोलियम पदार्थों व अन्य उत्पादों की माल ढुलाई लागत बढ़ रही है। युद्ध की विभीषिका के चलते तमाम जहाजों ने अपने मार्ग बदल लिए हैं। कुछ जहाज चलाने वाली कंपनियों ने अपने जहाजों के परिचालन पर रोक लगा दी है। इसका तात्कालिक परिणाम यह है कि कच्चे तेल की कीमतों में काफी उछाल देखा जा रहा है। जिसके चलते ब्रेंट क्रूड की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि देखी जा रही है।

इसमें दो राय नहीं कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें आने वाले दिनों में विश्व स्तर पर मुद्रास्फीति के दबाव को बढ़ाएंगी। जाहिरा तौर पर विकासशील व गरीब देशों का आर्थिक संकट और गहरा हो जाएगा।वहीं दूसरी ओर विकासशील देशों की सरकारों के सामने विकास कार्यक्रमों के लिये वित्तीय संसाधन जुटाना अब एक बड़ी चुनौती होगी।

वहीं इन देशों में केंद्रीय बैंकों के लिये भी मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन बनाये रखना मुश्किल हो जाएगा। दरअसल, हाल के दिनों में पेट्रोलियम और उसके उत्पादों पर निर्भर परिवहन, रसायन और प्लास्टिक उद्योग तक को बढ़ती लागत का सामना करना पड़ रहा है। जाहिर है इससे इन उद्योगों के लाभ में कमी आ सकती है। साथ ही इन उद्योगों में निवेश धीमा हो सकता है। वहीं दूसरी ओर आपूर्ति में देरी से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की समस्याएं और भी बढ़ सकती हैं। यह सर्वविदित है कि आज भी भारत अपनी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिये कच्चे तेल का अस्सी से नब्बे प्रतिशत आयात करता है।

इस कच्चे तेल का करीब चालीस फीसदी हिस्सा पश्चिमी एशिया से आता है। मौजूदा विषम परिस्थितियों के बीच होर्मुज जलमार्ग में व्यवधान तथा भू-राजनीतिक जोखिमों में वृद्धि से भारत के तेल आयात बिल के बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। वहीं इसके साथ ही देश का राजकोषीय घाटा भी बढ़ सकता है।

यहां तक कि कच्चे तेल के दाम में दस डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि भी आयात लागत को काफी हद तक बढ़ा सकती है।

बाहरी चमक-दमक में सिसकता अमेरिकी समाज

निखिल रस्तोगी

अमेरिका ने चतुराई से अपनी कैसी छवि बनाई है कि हम उसे इस धरती का स्वर्ग मानने लगे हैं, जबकि यदि नर्क जैसी कोई जगह होती हो, तो यह देश उससे भी बड़ा है। दुनियाभर में दरोगाई करके अमेरिका ने...अमेरिका ने चतुराई से अपनी कैसी छवि बनाई है कि हम उसे इस धरती का स्वर्ग मानने लगे हैं, जबकि यदि नर्क जैसी कोई जगह होती हो, तो यह देश उससे भी बड़ा है। दुनियाभर में दरोगाई करके अमेरिका ने जितने अत्याचार किए हैं और कर रहा है, उसकी मिसाल मिलना दुर्लभ है।

हाल ही में अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने ट्रंप के मनमाने तरीके से टैरिफ लगाने के फैसले को पलटा। बदले में वहां के न्यायाधीशों को लेकर ट्रंप ने गाली-गलौज की भाषा का इस्तेमाल किया, उससे यही पता चलता है कि उनकी आस्था लोकतांत्रिक मूल्यों में कतई नहीं है। बल्कि जिस तरह के बयान वे लगातार दे रहे हैं, वे भी बताते हैं कि उन्हें किसी की परवाह नहीं है। उनकी ऐसी बातें सुनकर अनेक ऐसी कहानियां याद आती हैं, जहां कोई राजा-महाराजा अपने को अमर समझता था और दुर्दिनों को प्राप्त होता था।अमेरिका में इन दिनों उन लोगों की बाढ़ आई हुई है, जो सड़कों पर उतरे हुए हैं। वे भारतीयों को तरह-तरह से प्रताड़ित कर रहे हैं। नफरती बयान दे रहे हैं। उनके पूजा स्थलों को निशाना बना रहे हैं। जिस तरह से वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उठाया और दुनिया के अधिकांश देशों ने चुप्पी साध ली, वह तुलसीदास जी की सैकड़ों वर्ष पहले लिखी बात को सच साबित करता है 'समरथ को नहिं दोष गुसाई'। लेकिन कोई भी सामर्थ्यवान हमेशा समर्थ नहीं रहता। यह भी याद रखना चाहिए।

पूरी दुनिया के युवा जिन्हें जेनरेशन जी के नाम से पुकारा जाता है, वे अमेरिका को किसी ड्रीम कंट्री की तरह देखते रहे हैं। भारत में भी बच्चे की सफलता इस बात से तय मानी जाती है कि वह अमेरिका गया कि नहीं। लेकिन अब ये सपने टूट रहे हैं। वहां के विश्वविद्यालयों में भारतीय छात्रों का एनरोलमेंट लगातार गिर रहा है। अमेरिका बस श्वेत अमेरिकियों के लिए है, ये भावना वहां सिर उठा रही है। इसलिए बाहर के बच्चे वहां जाने से बच रहे हैं।

अमेरिका की आबादी मात्र चौंतीस-पैंतीस करोड़ है। लेकिन अपराधों का आंकड़ा बहुत बड़ा है। स्त्रियों के प्रति अपराध बड़ी संख्या में होते हैं। आबादी के मुकाबले दुगुने हथियार हैं। ये सरे बाजार मिलते हैं। बच्चे ड्रग्स की चपेट में हैं। ड्रग्स खुले बाजार में मिलती हैं और बच्चे भी इन्हें खरीद सकते हैं। उन्हें कोई रोक भी नहीं सकता। यदि कोई रोके, तो इसे बच्चों के अधिकारों के खिलाफ माना जाता है।हाल ही में पेंग्विन में छपे तीन उपन्यासों को पढ़ा था। ये हैं—ब्वॉयफ्रेंड, झूठ मत बोलो और हादसा। इसकी लेखिका फ्रीडा मैकफेडन हैं। फ्रीडा पेशे से दिमाग की चोटों की एक्सपर्ट डाक्टर हैं। लेकिन क्राइम थ्रिलर और कामेडी भी लिखती हैं। अब तक उनकी रचनाओं के विश्व की चालीस भाषाओं में अनुवाद हो चुके हैं।इन उपन्यासों को पढ़ते हुए लगा कि वे अमेरिका के जीवन को कितनी नजदीक से जानती हैं। तीनों के तीनों उपन्यास ऐसे हैं, जिनसे पता लगता है कि वहां के समाज में आप किसी पर विश्वास नहीं कर सकते। भाई-बहन पर नहीं, बहन भाई पर नहीं। पति-पत्नी पर नहीं, पत्नी पति पर नहीं। मरीज डाक्टर पर नहीं, और डाक्टर मरीज पर नहीं। इनमें से अधिकतर अपने आसपास वालों की हत्या कर देते हैं। गाड़ी के ब्रेक खराब कर देते हैं। इनकी लाशों को घरों के तहखानों में डाल दिया जाता है। वे वहां सड़ जाती हैं। या किसी जंगल में जाकर गाड़ दिया जाता है।बच्चे की चाह में किसी महिला को मदद के बहाने अपने घर के तहखाने में रख दिया जाता है। एक लड़की का एक्सीडेंट होता है। गाड़ी बर्फ में फंस जाती है। उसे एक आदमी अपने घर लाता है। लड़की गर्भवती है। घर की नि:संतान महिला को लगता है कि यदि यह लड़की बच्चे को यहां जन्म दे दे, तो वह बच्चे को हड़प लेगी और इस लड़की को ठिकाने लगा देगी।

निर्यात बढ़ाने को जरूरी खास रणनीतिक उपाय

युद्ध के हालात का असर

निरंजन शर्मा

ईरान व इस्राइल-अमेरिका के बीच युद्ध से भारत के सामने निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की चुनौती खड़ी हो गई है। ऐसे में सरकार द्वारा निर्यातकों को विशेष सहयोग व प्रोत्साहन जरूरी है। वहीं व्यापार समझौतों के क्रियान्वयन की गति बढ़ानी होगी।ईरान और इस्राइल-अमेरिका के बीच युद्ध से निर्मित हालात से भारतीय निर्यात पर पड़ने वाले प्रभाव पर संबंधित मंत्रालयों, निर्यातक संगठनों और शिपिंग कंपनियों द्वारा जारी विचार मंथन में दो अहम बातें सामने आ रही हैं। एक, इस युद्ध से भारत के सामने निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की नई चुनौती खड़ी हो गई है।

दो, युद्ध के दौर में सरकार द्वारा निर्यातकों को हरसंभव सहयोग-प्रोत्साहन, व्यापार समझौतों के क्रियान्वयन और सुधारों की डगर पर आगे बढ़ना होगा।

उल्लेखनीय है कि भारत के लिए अमेरिका, इस्राइल और ईरान तीनों ही निर्यात के अहम बाजार हैं, ऐसे में न केवल इन तीनों देशों में, बल्कि युद्ध प्रभावित पश्चिम एशियाई और यूरोपीय देशों में भी भारत से होने वाले निर्यात प्रभावित होंगे। विभिन्न देशों में भारत से निर्यात होने वाले खाद्य उत्पाद, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग सामान, बासमती चावल, चाय, मशीनरी, फार्मास्युटिकल्स, रत्न-आभूषण, प्लास्टिक और रबर जैसे क्षेत्रों में निर्यात प्रभावित हो सकते हैं।उत्तरकाशी प्रलय ~ जब आसमान से बारिश ही नहीं हुई, तो कहां से युद्ध के बीच ईरान द्वारा दुनिया के सबसे अहम तेलमार्ग होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने से विभिन्न देशों के बाजारों में माल ढुलाई और बीमा प्रीमियम की लागत बढ़ने से भी भारतीय निर्यात प्रभावित हो सकते हैं। इतना ही नहीं, युद्ध के कारण सोने-चांदी की कीमतों में भारी उछाल से इनके आयात के बढ़े हुए मूल्य के कारण भारत का व्यापार घाटा और बढ़ता नजर आ सकता है। ऐसे में अब युद्ध के कारण निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की नई चुनौती के मद्देनजर भारत द्वारा निर्यात बढ़ाने व व्यापार घाटा नियंत्रित रखने को रणनीतिक कदमों के साथ आगे बढ़ना जरूरी है।इसके मद्देनजर चार महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान देना होगा। पहला, भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए गए द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के तहत तेजी से कारोबार और निर्यात बढ़ाने के लिए रणनीतिक कदम आगे बढ़ाना। दूसरा, व्यापार समझौतों का पूरा लाभ उठाने के लिए देश में गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और नए सुधारों पर ध्यान केंद्रित करना। तीसरा, निर्यात के नए बाजारों में प्रवेश करना। चौथा, आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए हाल में पेश केंद्रीय बजट के तहत घोषित निर्यात प्रोत्साहनों के क्रियान्वयन पर नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही ध्यान दिया जाना।

गौरतलब है कि भारत द्वारा कई देशों के साथ जो एफटीए किए गए हैं, उन्हें शीघ्रता से क्रियान्वयन की डगर पर आगे बढ़ाना होगा।

और भारत के लिए अत्यधिक लाभप्रद है। इस समझौते को सभी व्यापार समझौतों की जननी यानी मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स कहते हुए रेखांकित किया गया है कि दुनिया के वर्तमान 'ग्रोथ सेंटर' और इस सदी के आर्थिक पॉवर हाउस भारत के साथ यह एफटीए यूरोप को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते आर्थिक क्षेत्रों में पहली बढ़त दिलाएगा।

पिछले वर्ष 2025 में भारत द्वारा ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ किए गए एफटीए का वर्ष 2026 में कार्यान्वयन अहम होगा। इन सबके साथ-साथ मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्ज़रलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टीन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ कार्यान्वित हो रहे एफटीए के और अधिक लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। साथ ही इस वर्ष पेरू, चिली, आसियान, मैक्सिको, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इस्राइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी नए एफटीए को आकार देने की पहल की जानी होगी।ईरान और इस्राइल-अमेरिका युद्ध के बीच भारत से निर्यात बढ़ाना कोई सरल काम नहीं।

छप्पर से उठी चिंगारी ने उजाड़े तीन घर, युवती गंभीर

सात बकरियां और एक भैंस जलीं, लाखों का नुकसान

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। शिवराजपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर गांव में देर शाम आग लगने से हड़कंप मच गया। एक झोपड़ीनुमा घर से उठी लपटों ने कुछ ही देर में आसपास के दो और घरों को अपनी चपेट में ले लिया।

गांव निवासी जीवनलाल के कच्चे मकान के पीछे से अचानक धुआं उठता देखा गया। देखते ही देखते छप्पर में आग भड़क उठी और घर में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन समेत पूरा घरेलू सामान जलकर राख हो गया। आंगन में खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली, थ्रेसर और डीजल इंजन भी आग की भेंट चढ़ गए।सामान बचाने की कोशिश में जीवनलाल की 22 वर्षीय बेटी शिखा गंभीर रूप से झुलस गई। आग बुझाने में जुटे दो अन्य युवक भी घायल हो गए।

- आग बुझाने के प्रयास में दो युवक भी झुलस गए
- प्रशासन ने कराया नुकसान का आंकलन

लपटों की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पड़ोसी राममोहन और शिवमोहन के घर भी प्रभावित हो गए। राममोहन की चार बकरियां और एक भैंस जलकर मर गईं, जबकि जीवनलाल की तीन बकरियां भी नहीं बच सकीं। शिवमोहन के घर का अधिकांश सामान जल गया।सूचना पर पुलिस और दमकल टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।उपजिलाधिकारी संजीव दीक्षित ने घटनास्थल का निरीक्षण कर राजस्व टीम को नुकसान का आंकलन करने के निर्देश दिए। क्षेत्राधिकारी मंजय सिंह ने आग के कारणों की जांच कराने की बात कही है।

साइबर क्राइम: फर्जी निवेश स्कीम का जाल चार शातिर ठग गिरफ्तार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

- मोबाइल, फर्जी आधार, बैंक पासबुक और एटीएम कार्ड बरामद
- शातिरों से पूछताछ कर गिरोह के नेटवर्क की तलाश में जुटी पुलिस

बिल्हौर(कानपुर)। क्षेत्र में फर्जी निवेश योजनाओं के नाम पर लोगों को झांसा देकर साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने खुलासा किया है। कार्रवाई के दौरान चार युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों में महात्मा गांधी नगर निवासी राज उर्फ कृष्णा, औरंगपुर सांभी निवासी सोहेल, शांतिनगर नई बस्ती उत्तरीपुरा निवासी मोहम्मद इमरान उर्फ शीबू और अर्जुन ठाकुर शामिल हैं। यह कार्रवाई साइबर ठगी से जुड़े एक दर्ज मुकदमे की जांच के दौरान की गई।जांच में सामने आया है कि आरोपी लोगों को अधिक मुनाफे का लालच देकर फर्जी निवेश योजनाओं में पैसा लगाने के लिए प्रेरित करते थे। ठगी की रकम को ठिकाने लगाने के लिए वे पुराने निष्क्रिय बैंक खातों को सक्रिय कराते या आधार कार्ड के जरिए नई सिम लेकर अलग-अलग बैंकों में खाते खुलवाते थे। इन खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर कर उसे आगे निकाल लिया जाता था, जिससे असली पहचान तक पहुंचना मुश्किल हो जाए।अपनी पहचान छिपाने के लिए गिरोह जाली आधार कार्ड तैयार करता था। जरूरत पड़ने पर इन्हें बैंक और जनसेवा केंद्रों में इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस का कहना है कि गिरोह काफी समय से सक्रिय था और कई लोगों को चूना लगा चुका है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चार एंड्रॉयड मोबाइल फोन, तीन फर्जी आधार कार्ड, सात बैंक पासबुक, एक एटीएम कार्ड, दो सिम कार्ड, खाता विवरण से जुड़ी रसीद और एक टीवीएस अपाचे बाइक बरामद की है। कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार के नेतृत्व में की गई। टीम में उपनिरीक्षक कपिल कुमार, शुभम देशवाल, कृष्ण कुमार, हेड कांस्टेबल राजवीर, कांस्टेबल यशपाल और साइबर सेल प्रभारी उपनिरीक्षक शुभम यादव सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर उनके अन्य साथियों और नेटवर्क की तलाश में जुटी है।

रास्ता रोककर मारपीट का आरोप, तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। अरौल के ग्राम गिलवट अमीनाबाद में रास्ता रोककर मारपीट करने और युवक का हाथ तोड़ने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

गांव निवासी अजनीश ने थाने में दी तहरीर में बताया कि गांव के हरिनारायण और अमन उर्फ अन्नू बीते कई दिनों से उसे रास्ते में घेरकर मारपीट कर रहे थे। किसी तरह वह बचकर निकल जाता था। आरोप है कि दोनों जान से मारने की धमकी भी दे रहे थे। पीड़ित का आरोप है कि गांव का ही रवीश उर्फ कल्लू पुत्र सुखवासी फोन कर उसकी लोकेशन आरोपियों को देता था। एक मार्च की शाम करीब 5:40 बजे रवीश ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की, जिससे उसका दाहिना हाथ टूट गया। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बीच-बचाव कराया। आरोप है कि जाते समय आरोपियों ने मुकदमा लिखाने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। थाना अरौल पुलिस ने हरिनारायण, अमन उर्फ अन्नू और रवीश उर्फ कल्लू निवासी ग्राम गिलवट अमीनाबाद के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध इंजेक्शन से मासूम की मौत के मामले में दो डॉक्टरों पर केस

प्रकाश नर्सिंग अस्पताल में इलाज के दौरान बच्ची की मौत के मामले ने तूल पकड़ा

स्वराज इंडिया
फालोअप

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। चौबेपुर क्षेत्र में संचालित प्रकाश नर्सिंग अस्पताल में इलाज के दौरान आठ वर्षीय दलित बच्ची की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। प्रकरण में डीसीपी वेस्ट के निर्देश पर पुलिस ने दो चिकित्सकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

मालों भट्ठकोठी गांव निवासी जितेंद्र ने शिकायत में आरोप लगाया कि उनकी बेटी शिवानी की तबीयत 16 फरवरी को खराब होने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रातभर उपचार के बाद 17 फरवरी की सुबह छुट्टी दे दी गई। परिजनों का कहना है कि शाम को दोबारा बुलाकर इंजेक्शन लगाने को कहा गया।आरोप है कि इंजेक्शन लगने के कुछ ही देर बाद बच्ची की हालत बिगड़ने लगी। परिजनों ने चिकित्सकों पर गलत

इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि स्थिति गंभीर होने पर डॉक्टरों ने हाथ खड़े कर दिए और कानपुर ले जाने की सलाह दी। इसी दौरान बच्ची ने दम तोड़ दिया।

पीड़ित परिवार ने यह भी आरोप लगाया है कि अस्पताल का संचालन मानकों के विपरीत किया जा रहा था। घटना के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। रिपोर्ट

SWARAJ INDIA
स्वराज इंडिया
Swaraj India
20 Feb 2026 - Page 6

8 वर्षीय बच्ची की मौत पर प्रकाश नर्सिंग होम सील

स्वराज इंडिया
फालोअप

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। चौबेपुर क्षेत्र में इलाज के दौरान आठ वर्षीय बच्ची की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने प्रकाश नर्सिंग होम को सील कर दिया। परिजनों ने डॉक्टरों पर गलत इलाज और लापरवाही का आरोप लगाया है।भट्ठा कोठी गांव निवासी जितेंद्र कुमार की बेटी शिवानी को 16 फरवरी की शाम तबीयत खराब होने पर नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। परिजनों के मुताबिक 17 फरवरी को हालत बिगड़ने पर उसे दोबारा अस्पताल लाया गया, जहां से डॉक्टरों ने रामा अस्पताल रेफर कर दिया। रास्ते में ही ... दिया।मौत की खबर मिल... आक्रोश फैल गया। उन्होंने ... शव रखकर हंगामा किया ... मांग की। पुलिस ने मौके प... को शांत कराया।

पिता ने थाने में त... लगाया है कि गलत इंजेक... लापरवाही के कारण उनकी... मामले की गंभीरता को...

मौत के बाद ही जागता है स्वास्थ्य विभाग

चौबेपुर में आठ वर्षीय बच्ची की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली एक बार फिर कटघरे में है। तहसील क्षेत्र के ककवन, चौबेपुर, शिवराजपुर और बिल्हौर ब्लॉक में दर्जनों झोलाछाप डॉक्टर बेखौफ क्लीनिक चला ...

06 बिल्हौर

चौबेपुर में मेडिकल स्टोर की आड़ में चल रहे दो क्लीनिक सील

इंजेक्शन के बाद बिगड़ी हालत, परिजनों का आरोप गलत इलाज से गई जान

कल्याणपुर से बिल्हौर तक कई क्लीनिक मानकों से दूर

स्वराज इंडिया में प्रकाशित खबर

के आधार पर डॉ. अखिलेश विश्वकर्मा और डॉ. अमित विश्वकर्मा के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शुक्लागंज का बालू घाट बना असामाजिक तत्वों का अड्डा

विरोध करने पर मारपीट, शिकायतों के बावजूद पुलिस की निष्क्रियता से बढ़ा आक्रोश

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

शुक्लागंज (उन्नाव)। उन्नाव के शुक्लागंज क्षेत्र स्थित बालू घाट इन दिनों श्रद्धा और शांति का स्थल कम, बल्कि नशेबाजों और असामाजिक तत्वों का अड्डा अधिक बनता जा रहा है। स्थानीय पुजारियों और क्षेत्रवासियों का आरोप है कि लंबे समय से घाट पर खुलेआम नशाखोरी, अभद्रता और मारपीट की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन बार-बार शिकायतों के बावजूद पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

घाट पर प्रतिदिन पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठान होते हैं। आसपास के मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं की आवाजाही भी रहती है। बावजूद इसके, शाम ढलते ही माहौल बदल जाता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, अंधेरा होते ही नशे में धुत युवकों का जमावड़ा लगने लगता है। खुलेआम शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन किया जाता है, जिससे घाट का वातावरण दूषित हो रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि जब भी किसी ने इस गतिविधि का विरोध करने की कोशिश की, उसे मारपीट और धमकियों का सामना करना पड़ा। कई मामलों में पुजारियों और स्थानीय युवकों के साथ हाथापाई तक हो चुकी है। डर के कारण अब लोग खुलकर विरोध करने से भी हिचक रहे हैं।

महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल: स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब महिलाएं और युवतियां घाट पर पूजा या टहलने के लिए आती हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार महिलाओं के साथ छींटाकशी और अभद्र व्यवहार की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इससे परिवारों में भय का माहौल है और कई लोगों ने शाम के बाद घाट की ओर जाना बंद कर दिया है।

पुलिस पर लापरवाही के आरोप: सबसे बड़ा सवाल पुलिस की भूमिका को लेकर उठ रहा है। पुजारियों और निवासियों का कहना है कि उन्होंने क्षेत्रीय पुलिस चौकी और थाने में कई बार लिखित और मौखिक शिकायतें दीं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ औपचारिकता निभाई गई। कभी-कभार पुलिस की गश्त जरूर होती है, लेकिन उससे स्थिति में कोई स्थायी सुधार नहीं हुआ। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते सख्ती दिखाई जाती, तो हालात इतने बिगड़ते नहीं। पुलिस की इस कथित उदासीनता ने असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद कर दिए हैं।

प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग: क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से बालू घाट को नशामुक्त क्षेत्र घोषित कर नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने, सीसीटीवी कैमरे लगवाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि घाट धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का केंद्र है, इसे असामाजिक गतिविधियों का अड्डा बनने से बचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन का रास्ता अपनाने को बाध्य होंगे। अब देखना यह है कि प्रशासन और पुलिस इस गंभीर मुद्दे पर कब तक ठोस कदम उठाते हैं।

पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने किया दवा इंडिया के देवकाली आउटलेट का उद्घाटन

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। दवा इंडिया के देवकाली स्थित नए आउटलेट का फीता काटकर उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व सांसद लल्लू सिंह एवं पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता के संयोजकत्व में संपन्न हुआ।

उद्घाटन समारोह के दौरान पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि दवा इंडिया का यह आउटलेट क्षेत्रवासियों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को और सुलभ बनाएगा। उन्होंने स्थानीय व्यापार और रोजगार को बढ़ावा देने की भी उम्मीद जताई। उद्घाटन समारोह में उपस्थित लोगों ने नए आउटलेट की सफलता और क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर विस्तार की कामना की। इस अवसर पर रामतेरस गुप्ता चंचल दवा इंडिया के कार्यकारी प्रबंधक दीपक चौधरी, प्रबंधक संदीप यादव, फतेहगंज पार्षद हरीशचंद्र गुप्ता राजू, व्यापार मंडल के वरिष्ठ नेता रामबाबू, भाजपा के मण्डल कोषाध्यक्ष संजय गुप्ता और पूर्व जिला पंचायत सदस्य ध्रुव गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अतिरिक्त भाड़ा मांगने पर बवाल युवक ने ऑटो चालक को पीटा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ मारपीट का वीडियो

कानपुर देहात। कानपुर देहात के राजपुर थाना क्षेत्र में अतिरिक्त भाड़ा मांगने को लेकर ऑटो चालक और युवक के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

मामला बच्चा नगर पहलवान क्षेत्र का बताया जा रहा है। एक युवक ऑटो से सफर कर रहा था। आरोप है कि तय भाड़ा देने के बाद भी ऑटो चालक ने अतिरिक्त पैसे की मांग की। युवक द्वारा इनकार करने पर दोनों के बीच गाली-गलौज होने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक विवाद बढ़ने पर युवक ने ऑटो चालक की पिटाई कर दी। मौके पर मौजूद एक महिला और कुछ अन्य युवकों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। इसी दौरान किसी ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक किसी भी पक्ष की ओर से थाने में लिखित शिकायत नहीं दी गई थी। राजपुर थाना अध्यक्ष सनत कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है,शिकायत मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रूरा में युवती लापता, पिता ने दर्ज कराई रिपोर्ट

» पुलिस लापता युवती की तलाश में जुटी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र से एक युवती संदिग्ध परिस्थितियों में कहीं लापता हो गई है।युवती के पिता ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है।पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लापता युवती की तलाश शुरू कर दी है।भैरों शाहजहांपुर गहलों निवासी रामजी सिसोदिया ने गुमशुदगी दर्ज कराते हुए पुलिस को बताया कि उनकी 21 वर्षीय पुत्री विनीता उर्फ शिवानी शनिवार दोपहर करीब तीन बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई है।देर शाम तक पुत्री के घर वापस न लौटने पर काफी खोजबीन की,लेकिन उसका कहीं सुराग नहीं लग सका है।इसके बाद पिता ने रूरा थाने में अपनी पुत्री के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी सुधीर भारद्वाज ने बताया कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। लापता युवती की तलाश हो रही है।

कड़े संदेश के साथ पुलिस लाइन में होलिका दहन, एसपी ने संभाली सुरक्षा की कमान

त्योहार पर अराजकता बर्दाश्त नहीं, संवेदनशील इलाकों पर विशेष नजर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर देहात में होली पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आया। पुलिस लाइन परिसर में आयोजित होलिका दहन कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने विधि-विधान से पूजन कर जनपद की शांति, सुरक्षा और समृद्धि की कामना की, साथ ही कानून व्यवस्था को लेकर सख्त संदेश भी दिया।होलिका दहन के बाद अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए एसपी ने साफ कहा कि होली के दौरान किसी भी प्रकार की अराजकता, हुड़दंग या सांप्रदायिक तनाव को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने निर्देश दिए कि पूरे जनपद में सतत गश्त सुनिश्चित की जाए। संवेदनशील एवं मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए

। सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। शराब पीकर वाहन चलाने और हुड़दंग करने वालों पर सख्त कदम उठाए जाएं।

रंगों के बीच दिखी अनुशासन की झलक

होलिका दहन के उपरांत पुलिस लाइन परिसर में रंगोत्सव का माहौल बना। एसपी ने अधिकारियों व कर्मचारियों को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं। आत्मीय वातावरण के बीच भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्पष्ट रणनीति पर चर्चा होती रही। जनपद पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि होली आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ मनाएं। किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तत्काल डायल 112 या नजदीकी थाने को दें। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई तय है।

मां ने नशे के आदी बेटे को बांधा बेटे ने गुस्से में डाई पी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर थाना क्षेत्र के वैना गांव में नशे के आदी युवक को काबू में करने के लिए मां ने उसे घर में बांध दिया, जिससे नाराज होकर युवक ने डाई (रंगाई में प्रयुक्त केमिकल) पी ली। कुछ ही देर में उसकी हालत बिगड़ गई और परिजनों के होश उड़ गए।

वैना गांव निवासी सुमित शर्मा लंबे समय से नशे का आदी बताया जा रहा है। परिजनों के अनुसार वह अक्सर घर में हंगामा करता था और परिवार को परेशान करता था।

स्थिति बिगड़ने पर मां गीता ने उसे घर में बांध दिया ताकि वह कोई अनहोनी न कर बैठे। लेकिन इसी कदम से आहत होकर सुमित ने गुस्से में डाई पी ली। घबराई मां ने तुरंत 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। एंबुलेंस के जरिए युवक को राजपुर पीएचसी पहुंचाया गया, जहां डॉ. मनोज सर्राफ ने प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर देखते हुए उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। राजपुर थाना अध्यक्ष सनत कुमार ने बताया कि अब सूचना मिलने पर जांच की जा रही है।

मौत का करंट: ततारपुर में 11 केवी लाइन ने ली युवक की जान, लोगों का फूटा गुस्सा

होली के बीच गांव में पसरा मातम

» पेड़ से सटी हाईटेंशन लाइन बनी जानलेवा, सवालों के घेरे में बिजली विभाग की कार्यशैली

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात / सट्टी थाना क्षेत्र ग्राम ततारपुर में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। खेत किनारे पेड़ से सटी 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक के साथ-साथ बिजली विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश भी देखा गया।

ततारपुर निवासी कपूर सिंह सुबह घर के लिए सूखी लकड़ियां लेने खेतों की ओर गए थे। ग्रामीणों के अनुसार खेत के पास खड़े पेड़ से सटकर वैना नलकूप की 11 केवी लाइन गुजर रही है। पेड़ पर चढ़कर टहनियां तोड़ते समय अचानक उनका हाथ हाईटेंशन लाइन से छू गया। तेज करंट लगते ही वह तारों के बीच फंस गए और कुछ ही क्षणों में उनकी दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना इतनी भयावह थी कि कोई भी तत्काल पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए।

मृतक की फाइल फोटो

पुलिस ने तत्काल विद्युत विभाग से संपर्क कर लाइन की सप्लाई बंद कराई। काफी मशक्कत के बाद शव को नीचे उतारा गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है।

पेड़ों से सटी लाइन पर पहले भी उठे थे सवाल

ग्रामीणों का आरोप है कि पेड़ों से सटी हाईटेंशन लाइन लंबे समय से खतरा बनी हुई थी। कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो लाइन की ऊंचाई ठीक की गई और न ही नियमित छंटाई कराई गई।

लोगों का कहना है कि विभागीय लापरवाही ने एक परिवार का सहारा छीन लिया। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब लाइन पेड़ों के बिल्कुल संपर्क में थी तो विभाग ने समय रहते निरीक्षण और मरम्मत क्यों नहीं कराई? क्या किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा था?

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

मृतक कपूर सिंह परिवार के कमाऊ सदस्य बताए जा रहे हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल आर्थिक सहायता, मुआवजा और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में भोगनीपुर के नायब तहसीलदार सूर्य प्रकाश सिंह ने कहा कि पीड़ित परिवार को नियमानुसार हर संभव सहायता दिलाई जाएगी। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है, लेकिन गांव में एक ही सवाल गूंज रहा है आखिर इस मौत का जिम्मेदार कौन?

झींझक में मुख्य जलापूर्ति पाइपलाइन लीकेज: वरिष्ठ लिपिक की देखरेख में मरम्मत जारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात के झींझक नगर पालिका में मुख्य जलापूर्ति पाइपलाइन में लीकेज के कारण कस्बाईयों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। यह लीकेज चार दिन पहले शनिवार को हुआ था।

पानी की आपूर्ति बाधित होने पर स्थानीय निवासियों ने नगर पालिका में शिकायत दर्ज कराई थी। समस्या की गंभीरता को देखते हुए पालिका चेयरमैन अमित तिवारी और अधिशाषी अधिकारी वीरेंद्र राव ने तत्काल मरम्मत के निर्देश दिए।

इसके बाद, नगर पालिका के वरिष्ठ लिपिक ब्रजेश राजपूत की देखरेख में मरम्मत कार्य शुरू किया गया। लीकेज वाले पाइप की मरम्मत के लिए जेसीबी से खुदाई की गई। मंगलवार को भी यह कार्य जारी रहा।

ब्रजेश राजपूत ने बताया कि मुख्य पाइपलाइन में लीकेज के कारण पानी की समस्या उत्पन्न हुई थी। मरम्मत कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया था और कुछ आवश्यक सामग्री कानपुर से मंगवाई गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद पाइपलाइन दुरुस्त कर दी जाएगी और जलापूर्ति सामान्य हो जाएगी।

होली पर सख्ती: कानपुर देहात में 45 चालान, 3 गाड़ियां सीज

कानपुर देहात। होली पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए परिवहन विभाग ने सख्त अभियान चलाया। एआरटीओ प्रशांत तिवारी और एआरटीओ सोमलता यादव के नेतृत्व में दो टीमों ने बारा टोल टैक्स के पास संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिंग की।अभियान के दौरान नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए 45 चालान किए गए, जबकि 3 वाहनों को बंद (सीज) किया गया। वहीं 11 बसों की विशेष जांच की गई। कार्रवाई के तहत करीब 1.75 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। अधिकारियों ने साफ कहा कि त्योहार के दौरान ओवरलोडिंग, बिना परमिट और सुरक्षा मानकों की अनदेखी

किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परिवहन विभाग की इस सख्ती से वाहन चालकों में हड़कंप मच गया, वहीं आम लोगों ने प्रशासन की इस कार्रवाई को सुरक्षा के लिहाज से जरूरी कदम बताया।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर भीषण टक्कर ईको वैन सवार 6 की मौत, 7 गंभीर

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जनपद में मंगलवार तड़के हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने छह परिवारों की खुशियां छीन लीं। सादाबाद कोतवाली क्षेत्र के गांव गढ़ी हरिया के पास यमुना एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार ईको वैन और बस की आमने-सामने टक्कर में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायल अलग-अलग अस्पतालों में उपचाराधीन हैं।

पुलिस के अनुसार, ईको वैन में कुल 13 लोग सवार थे, जो दिल्ली से राजस्थान के धौलपुर में होली मनाने जा रहे थे। उसी दौरान दिल्ली से गोरखपुर जा रही एक यात्री बस से वैन की जोरदार भिड़ंत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन उछलकर करीब दस फीट दूर जा गिरी और उसका पिछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और एक्सप्रेसवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एक्सप्रेसवे की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची। घायलों को तत्काल एंबुलेंस के माध्यम से नजदीकी अस्पतालों में भेजा गया। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बस के अगले हिस्से को भी नुकसान पहुंचा है, हालांकि बस में सवार अधिकांश यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

तेज रफ्तार बस से भिड़ी वैन, होली पर घर लौट रहे परिवारों में मातम

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और संभवतः लेन अनुशासन के उल्लंघन को हादसे की वजह माना जा रहा है। एक्सप्रेसवे पर सुबह के समय धुंध या दृश्यता में कमी की भी जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज और बस चालक के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टाइमलाइनः यमुना एक्सप्रेसवे पर प्रमुख हादसे

- » मई 2022- मथुरा के पास कार और कंटेनर की टक्कर में 5 लोगों की मौत।
- »अगस्त 2022- आगरा सीमा में बस पलटने से 4 यात्रियों की जान गई, कई घायल।
- »जुलाई 2023- नोएडा क्षेत्र में तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई, 6 की मौत।
- »अक्टूबर 2023- अलीगढ़ के पास ट्रक और कार की भिड़ंत में 4 लोगों की मौत।
- »जनवरी 2024- घने कोहरे के बीच कई वाहनों की टक्कर, 3 की मौत और दर्जनों घायल।

हाईवे पर बार-बार हादसे क्यों?

165 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे को देश के सबसे आधुनिक राजमार्गों में गिना जाता है, लेकिन तेज रफ्तार, थकान, ओवरलोडिंग और नियमों की अनदेखी के कारण यहां

हादसों की संख्या चिंताजनक रही है। कई बार विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि अधिकतम गति सीमा के सख्त पालन, स्पीड मॉनिटरिंग और जागरूकता अभियानों को और प्रभावी बनाने की जरूरत है। सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि एक्सप्रेसवे पर 100 किमी/घंटा से अधिक की रफ्तार पर वाहन चलाना जोखिम को कई गुना बढ़ा देता है।

जर्जर स्कूल बस की बनी काल, फर्श टूटने से गिरी बच्ची की मौत

» प्रबंधक-चालक गिरफ्तार, बिना वैध परमिट चल रही थी बस

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

अलीगढ़।अलीगढ़ के दादों थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे ने स्कूल प्रबंधन की गंभीर लापरवाही उजागर कर दी। माउंट देव इंटरनेशनल स्कूल की जर्जर बस के टूटे फर्श से गिरकर सात वर्षीय छात्रा अनन्या की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए स्कूल प्रबंधक और बस चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि केयरटेकर के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है।अतरौली क्षेत्र के मुड़ियाखेड़ा निवासी रवि कुमार की बेटी अनन्या स्कूल से छुट्टी के बाद बस से घर लौट रही थी। बस की हालत बेहद खराब थी और पिछली सीट के नीचे फर्श में बड़ा छेद था। रास्ते में कासगंज के नगला बंजारा गांव के पास चलते वाहन से बच्ची उसी छेद से नीचे गिर गई और बस के पहियों के नीचे आकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि बस की खराब हालत को लेकर कई बार स्कूल प्रबंधन से शिकायत की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।पुलिस ने बच्ची के पिता की तहरीर पर प्रबंधक अरविंद यादव और चालक चंद्रप्रकाश के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया। चालक को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि सोमवार को प्रबंधक को भी पकड़ लिया गया।

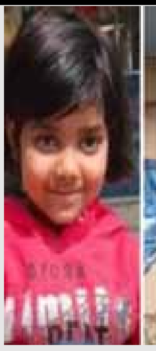

जांच में सामने आया कि बस का परमिट सितंबर 2024 में ही समाप्त हो चुका था, इसके बावजूद वाहन लगातार संचालित किया जा रहा था। आरटीओ की ओर से कई बार नोटिस और जुर्माना लगाए जाने के बावजूद स्कूल प्रबंधन ने कोई सुधार नहीं किया।फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। इस घटना ने एक बार फिर स्कूल वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

होली पर यात्री घर सुरक्षित पहुंचे, चला चेकिंग अभियान

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

6 डग्गामार बसे सीज, तीन का चालान, ढाई लाख जुर्माना वसूला

फर्रुखाबाद । होली त्योहार को लेकर एआरटीओ प्रवर्तन ने जनपद के विभिन्न मार्गों पर डग्गामार बसों के धड़ल्ले से चलने पर आए दिन मार्ग दुर्घटनाएं हो रहीं हैं।

बस चालक परिवहन निगम की बसों के आगे पीछे भगाते हैं जिससे घटना होने की संभावना बनी रहती हैं द्य डीएम के निर्देश पर त्योहार पर संघन चेकिंग अभियान चलाया गया ।

इस दौरान एआरटीओ सुभाष राजपूत और एआरएम रोडवेज राजेश कुमार ने संयुक्त रूप से विभिन्न मार्गों पर यात्रियों को लेकर फर्राटा भर रही थी द्य सोमवार को दोनों अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा अलग-अलग मार्गों पर चल रही 6 बसों को बस अड्डे पर लाकर सीज कर दिया द्य उन्होंने बताया कि तीन बसों के कागजात पूरे ना होने पर चालान किया गया है द्य उन्होंने बताया कि यह डग्गामार बस चालक परिवहन निगम की बसों को देखकर उसके आगे आगे चलाते हैं और सवारियों को गुमराह कर बैठा लेते हैं, इसी को मद्देनजर रख कर कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि अभी कुछ मार्गों पर चोरी छुपे बस का संचालन हो रहा है उनके खिलाफ भी जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या: बाबा की ऑडियो साजिश सत्ता सौदा और सपा कनेक्शन

- आडियो से ऑपरेशन तक बाबा का दबाव तंत्र बेनकाब
- मिल्कीपुर में सत्ता का सौदा- ऑडियो कांड से खुली 'बाबा ब्रांड' की पोल
- सत्ता के भूखे 'बाबा': सपा समर्थक की पैरवी से भाजपा की किरकिरी
- 2027 से पहले सियासी नौटंकी: गोरखनाथ बाबा का हाई-वोल्टेज ड्रामा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र इस समय विकास नहीं, बल्कि राजनीतिक षड्यंत्र, निजी स्वार्थ और गुटबाजी का अखाड़ा बन चुका है। हाल ही में वायरल हुआ ऑडियो, जिसमें पूर्व विधायक

स्वराज इंडिया

अयोध्या

11

ऑडियो में सामने आया 'ताकत का आतंक'

गोरखनाथ बाबा बनाम एसडीएम, अयोध्या में सत्ता-सिस्टम की खतरनाक जुगलबंदी

गोरखनाथ बाबा एक एसडीएम से अभद्र भाषा में बात करते सुने जा रहे हैं, ने पूरे इलाके की सियासत को नंगा कर दिया है। यह ऑडियो अब सिर्फ एक विवाद नहीं, बल्कि सत्ता की भूख में डूबे नेताओं की असली मानसिकता का प्रमाण बन चुका है। इसके बाद फेसबुक लाइव कर धमकी भरा एलान–काम नहीं हुआ तो धरना दूंगा–यह साफ करता है कि जनहित नहीं, सुर्खियों की राजनीति की जा रही है।

स्वराज इंडिया FOLLOW UP

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस ग्राम प्रधान के लिए यह पूरा तमाशा खड़ा किया गया, वह समाजवादी पार्टी का खुला समर्थक बताया जाता है।

यानी भाजपा का पूर्व विधायक खुलेआम विपक्षी एजेंडे की पैरवी करता दिख रहा है। इससे भारतीय जनता पार्टी की अंदरूनी सड़ांध उजागर हो गई है।

मामला सरकारी जमीन पर आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण का है, जहां वर्षों से अवैध कब्जा बताया जा रहा है।

सवाल उठता है अगर बाबा जी को इतनी ही चिंता है, तो अपने कार्यकाल में कब्जे क्यों नहीं हटवाए? तब तालाब,

चारागाह और बंजर जमीनें क्यों लुटती रहीं? आज वही नेता नैतिकता का चोला पहनकर हाईकोर्ट जाने की धमकी दे रहे हैं। जनता पूछ रही है–क्या यह कानून की लड़ाई है या राजनीतिक ब्लैकमेलिंग?

इस पूरे प्रकरण ने भाजपा के भीतर चल रहे सत्ता संघर्ष को सार्वजनिक कर दिया है। वर्तमान विधायक चुप हैं,

प्रशासन दबाव में है और संगठन असहज स्थिति में। 2027 की तैयारी में जुटे गोरखनाथ बाबा अब खुद के ही रचे सियासी जाल में फंसते दिख रहे हैं।

सवाल यह नहीं कि धरना होगा या नहीं, सवाल यह है क्या पार्टी ऐसे बगावती और संदिग्ध चेहरों पर कार्रवाई करेगी या फिर मिल्कीपुर को यूं ही राजनीतिक दलदल में धकेल दिया जाएगा?

प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय डिजिटल राजनीति के पोस्टर बॉय

- पांच बार विधायक व दो बार सांसद रहे लल्लू सिंह सबसे आगे
- अयोध्या से दो बार विधायक रहे वेद प्रकाश गुप्ता इस सूची में पीछे
- अयोध्या में फॉलोअर्स की जंग और 2027 की सियासी पटकथा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि आज केवल आस्था की नहीं, बल्कि आधुनिक राजनीति की प्रयोगशाला बन चुकी है। राम मंदिर निर्माण के बाद अयोध्या की राजनीति अब सड़कों से निकलकर मोबाइल स्क्रीन तक पहुंच गई है।

यहां सत्ता की लड़ाई अब नारों से नहीं,

प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय

÷लाइक, शेयर और फॉलो÷ से लड़ी जा रही है।इस डिजिटल रणभूमि में नगर निगम के प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय सबसे मजबूत चेहरा बनकर उभरे हैं। करीब 1.83 लाख फॉलोअर्स के साथ उन्होंने खुद को युवा राजनीति का ब्रांड बना लिया है। साधारण

परिवार से निकलकर सत्ता तक पहुंचने की उनकी कहानी सोशल मीडिया पर लगातार प्रचारित की जाती रही है, जिसने उन्हें लोकप्रियता के शिखर तक पहुंचाया।

दूसरी ओर, पूर्व विधायक खब्बू तिवारी ने बाहुबली छवि से दूरी बनाकर सामाजिक नेता की नई पहचान गढ़ी है। वहीं अभय सिंह और पवन पांडे युवा समर्थकों को जोड़ने में

अभय सिंह विधायक

सक्रिय हैं। वरिष्ठ नेताओं में लल्लू सिंह आज भी डिजिटल दुनिया में सबसे आगे हैं, जबकि सांसद अवधेश प्रसाद इस मोर्चे पर कमजोर नजर आते हैं। मौजूदा मेयर महंत गिरीशपति पति तिवारी और पूर्व विधायक वेद प्रकाश गुप्ता भी सोशल मीडिया की दौड़ में पिछड़ते दिखते हैं। स्पष्ट है कि अयोध्या की राजनीति अब आस्था, सत्ता और सोशल मीडिया के

तेज नारायण पांडेय पवन पूर्व मंत्री सपा

संगम पर खड़ी है। 2027 के चुनाव से पहले यह तय हो चुका है कि जीत का रास्ता अब जनसभाओं से नहीं, बल्कि डिजिटल जनमत से होकर जाएगा–जहां पहले फॉलोअर बनेंगे, फिर वोटर।

हरिशंकर सिंह नेताजी: सेवा, संस्कार और संकल्प की अमर गाथा

समीर शाही स्वराज इंडिया

अयोध्या धाम। अयोध्या की स्मृतियों में एक नाम दीपक-सा जलता है–हरिशंकर सिंह। सितंबर 1949 में जन्मे इस कर्मयोगी ने जीवन को साधना की तरह जिया।

बस्ती से अयोध्या तक की यात्रा केवल भौगोलिक नहीं थी, वह विचारों की तीर्थयात्रा थी। शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का जो बीज उनके भीतर अंकुरित हुआ, वही आगे चलकर जनसेवा का वटवृक्ष बना।

जनसंघ से भाजपा तक वे एम. एस.गोलवलकर और दीनदयाल उपाध्याय के

जन्म से जनसेवा तक, विचारों की पहली मशाल

विचारों से अनुप्राणित थे। जनसंघ से जुड़कर उन्होंने राजनीति को साधन नहीं, साधना माना। 1980 में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के साथ वे उसके संस्थापक सदस्यों में रहे। संगठन उनके लिए सत्ता की सीढ़ी नहीं, सेवा का माध्यम था।

सत्ता के निकट, सादगी के समीप

वे कल्याण सिंह और राजनाथ सिंह के निकट रहे, पर अहंकार से सदा दूर। पद मिले, सम्मान मिला, पर उनके जीवन की धुरी हमेशा सामान्य जन ही रहे। अयोध्या में भाजपा का पर्याय 'नेताजी' बन जाना, उनके जनविश्वास की साक्षी है। रोज़ 8-10 किलोमीटर पैदल चलकर लोगों से मिलना, उनके दुख को अपना बनाना, उनकी जरूरत में खड़ा होना–यही उनकी पहचान थी।

वे भीड़ में नहीं खोते थे, क्योंकि हर व्यक्ति उनके लिए एक कथा था, एक जिम्मेदारी थी। शिक्षा संस्थानों की प्रबंध समितियों से लेकर सामाजिक आंदोलनों तक, उनकी उपस्थिति दीपशिखा की तरह थी। विश्व

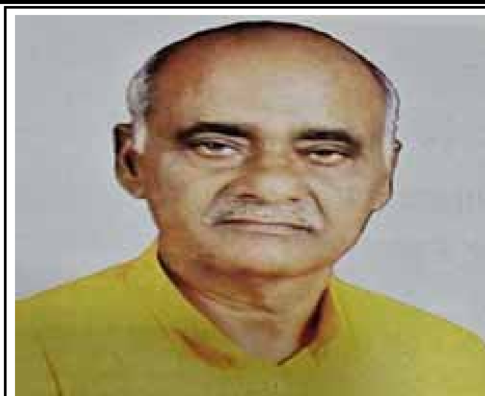

हिंदू परिषद के कार्यक्रमों में सहभागिता हो या अयोध्या नेत्र अस्पताल की स्थापना में योगदान हर कार्य में उनका मौन श्रम झलकता था। संतों से उनका आत्मीय संबंध, उनके आध्यात्मिक संतुलन का प्रमाण था। 30 अप्रैल 2021 को वे विदा हो गए, पर अयोध्या की आत्मा में आज भी जीवित हैं। नेताजी अब स्मृति नहीं, संकल्प हैं यह सिखाने वाले कि राजनीति भी करुणा, तप और त्याग का पथ हो सकती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com